Name : ..... Sec..... Roll. No.....

सामान्य हिन्दी

समय : 3 घण्टे | पूर्णांक : 100 अंक

आवश्यक निर्देश-

- सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
- सम्पूर्ण प्रश्न-पत्र दो भागों - खण्ड-(क) तथा खण्ड-(ख) में विभाजित है।

खण्ड - (क)

1. (i) 'परीक्षा गुरू' के लेखक है- [1]

(a) हजारी प्रसाद द्विवेदी (b) सदल मिश्र (c) लक्ष्मण सिंह (d) लाल श्रीनिवास दास

(ii) 'इन्दुमती' है- [1]

(a) प्रथम कहानी (b) प्रथम उपन्यास (c) निबन्ध (d) इनमें से कोई नहीं

(iii) 'स्कन्दगुप्त' नाटक के लेखक है- [1]

(a) प्रेमचन्द (b) लक्ष्मीनारायण मिश्र (c) जयशंकर प्रसाद (d) धर्मवीर भारती

(iv) 'निन्दारस' रचना है- [1]

(a) मोहन राकेश की (b) श्यामसुन्दर दास की

(c) हरिशंकर परसाई की (d) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र की

(v) 'शेखर एक जीवनी' के लेखक है- [1]

(a) भीष्म साहनी (b) जयशंकर प्रसाद (c) अज्ञेय (d) प्रेमचन्द

2. (i) 'कामायनी' की रचना है- [1]

(a) सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला (b) महादेवी वर्मा

(c) जयशंकर प्रसाद की (d) मोहन अवस्थी की

(ii) 'प्रिय प्रवास' महाकाव्य के रचयिता है- [1]

(a) रामधारी सिंह दिनकर (b) जयशंकर प्रसाद

(c) जगन्नाथ दास रत्नाकर (d) अयोध्यासिंह उपाध्याय हरिऔध

(iii) झरना के रचयिता है- [1]

(a) जगन्नाथ दास रत्नाकर (b) मैथिलीशरण गुप्त

(c) जयशंकर प्रसाद (d) महादेवी वर्मा

(iv) ज्ञानाश्रयी शाखा के प्रतिनिधि कवि है- [1]

(a) तुलसीदास (b) सूरदास (c) बिहारी (d) कबीरदास

(v) हिन्दी का प्रथम कवि माना जाता है- [1]

(a) गोरखनाथ (b) चन्दबरदाई (c) जगनिक (d) सरहपा

3. दिये गये गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए- [5 × 2 = 10]

रमणीयता और नित्य नूतनता अन्योन्याश्रित हैं, रमणीयता के अभाव में कोई भी चीज मान्य नहीं होती। नित्य नूतनता किसी भी सर्जक की मौलिक उपलब्धि की प्रामाणिकता सूचित करती है और उसकी अनुपस्थिति में कोई भी चीज वस्तुतः जनता व समाज के द्वारा स्वीकार्य नहीं होती। सड़ी-गली मान्यताओं से जकड़ा हुआ समाज जैसे आगे बढ़ नहीं पाता वैसे ही पुरानी रीतियों और शैलियों की परम्परागत लीक पर चलने वाली भाषा भी जन-चेतना को गति देने में प्रायः असमर्थ ही रह जाती है। भाषा समूची युग-चेतना की अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम है।

https://www.upboardonline.com

(i) उपर्युक्त गद्यांश किस शीर्षक से उद्धृत है? [1]

(ii) उपर्युक्त गद्यांश के लेखक कौन हैं? [2]

(iii) गद्यांश में लेखक ने किस बात पर बल दिया है? [1]

(iv) लेखक ने किसी अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम माना जाता है? [1]

(v) गद्यांश के रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए। [1]

अथवा

साहित्य, कला, नृत्य, गीत, आमोद-प्रमोद अनेक रूपों में राष्ट्रीय जन अपने-अपने मानसिक भावों को प्रकट करते है। आत्मा का जो विश्वव्यापी आनन्त भाव है वह इन विविध रूपों में साकार होता है। यद्यपि वाह्य रूप की दृष्टि से संस्कृति के ये बाहरी लक्षण अनेक दिखाई पड़ते हैं, किन्तु आन्तरिक आनन्द की दृष्टि से उनके एक सूत्रता है। जो व्यक्ति सहृदय है, वह प्रत्येक संस्कृति के आनन्द पक्ष को स्वीकार करता है और उससे आनन्दित होता है। इस प्रकार की उदार भाव ही विविध जनों से बने हुए राष्ट्र के लिए स्वास्थ्यकर हैं।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए। [1]

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए। [2]

(iii) सहृदय व्यक्ति किसे स्वीकार करके प्रसन्नचित होता हैं? [1]

(iv) राष्ट्रयी जन अपने-अपने मानसिक भावों को किन-किन रूपों में प्रकट करते हैं? [1]

(v) राष्ट्रीय जन अपने मनोभावों को किन-किन रूपों में प्रकट करते हैं?

4. दिये गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। [5 × 2 = 10]

कहते आते थे यही अभी नरदेही
माता न कुमाता, पुत्र कुपुत्र भले ही।'
अब कहें सभी यह हाय! विरुद्ध विधाता,
है पुत्र पुत्र ही, रहे कुमाता माता।"
बस मैंने इसका वाह्य-मात्र ही देखा,
दृढ हृदय न देखा, मृदुल गात्र ही देखा,
परमार्थ न देखा, पूर्ण स्वार्थ ही साधा,
इस कारण ही तो हाय आज यह बाधा
युग युग तक चलती रहे कठोर कहानी
रघुकुल में भी थी एक अभागिन रानी।

(i) पाठ के शीर्षक एवं रचयिता के नाम का उल्लेख कीजिए। [1]

(ii) कैकेयी को अभागिन रानी क्यों कहा गया है? [2]

(iii) इस पद्यांश में कवि ने किस प्रसंग का उल्लेख किया है? [1]

(iv) इस पद्यांश में कौन-सा अलंकार है? [1]

(v) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए। [1]

अथवा

सावधान मनुष्य! यदि विज्ञान है तलवार,
तो इसे दे फेंक, तजकर मोह, स्मृति के पार
हो चुका है सिद्ध है तू शिशु अभी अज्ञान,
फूल काँटों की तुझे कुछ भी नहीं पहचान,
खेल सकता तू नहीं ले हाथ में तलवार
काट लेगा अंग, तीखी है बड़ी यह धार।।

(i) पाठ का शीर्षक और कवि का नाम लिखिए। [1]

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए। [2]

https://www.upboardonline.com

(iii) विज्ञान को तलवार क्यों कहा है?

(iv) विज्ञान का प्रयोग करने में उसे शिशु समाज क्यों कहा गया है? [1]

(v) पूरे पद में कौन-सा अलंकार हैं? [1]

5. (i) निम्नलिखित में किसी एक लेखक का साहित्यिक-परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचना का उल्लेख कीजिए- [3]

(a) प्रो०जी० सुन्दर रेड्डी (b) डॉ० हजारी प्रसाद द्विवेदी (c) डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

(ii) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक-परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों पर प्रकाश डालिए- [3]

(a) सुमित्रानन्दन पन्त (b) महादेवी वर्मा (c) रामधारी सिंह 'दिनकर'

6. 'ध्रुवयात्रा' अथवा 'बहादुर' कहानी का सारांश अपने शब्दों में लिखिए। [3]

अथवा

'पंचलाइट' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर 'दशरथ' की चरित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। [3]

अथवा

'श्रवण कुमार' खण्डकाव्य के चौथे सर्ग 'श्रवण' की कथावस्तु लिखिए।

खण्ड - (ख)

8. (i) निम्नलिखित अवतरणों का सन्दर्भ-सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए। [2 + 5 = 7]

अर्थवोयकरणवतां जीवनं, तथैव ते जीवनं स्थात। अमृतत्वस्य तु नाशस्ति वित्तेन इति। सा मैत्रेयी उवाच-ये नाहं नामृता स्याम् कि मह तेन कुर्याम? यदेव भगवान् केवलममृतत्वसाधनं जानाति, तदैव मे ब्रूहि याज्ञवल्क्य उवाच-प्रिया नः सती त्वं प्रिय भाषसे। एहि उपविश व्याख्या स्यामि ते अमृतत्वसाधनम्।

अथवा

अतीते प्रथमकल्पे जनाः एकमभिरूपं सौभाग्यप्राप्तं सर्वाकारपरिपूर्णं पुरुषं राजानमकुर्वन्। चतुष्पदा अपि सन्निपत्य एकं सिहं राजानमकुर्वन्। ततः शकुनिगणाः हिमवत् प्रदेशे एकस्मिन् पाषाणे सन्निपत्य "मनुष्येषु राजा प्रज्ञायते तथा चतुष्पदेषु च। अस्माकं पुनरन्तरे राजा नास्ति। अराजको वासो नाम न वर्तते। एको राजस्थाने स्थापयितव्यः" इति उक्तवन्तः। अथ ते परस्परमवलोकयन्तः एकमुलूकं दृष्ट्वा 'अयं नो रोचते' इत्यवोचन्।

(ii) दिये गये पद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए- [3]

भाषासु, मुख्या मधुरा दिव्या गीर्वाणभारती।
तस्या हि मधुरं काव्यं तस्मादपि सुभाषितम्।।

अथवा

जयन्ति ते महाभागाः जन-सेवा-परायणाः।
जरामृत्युभयं नास्ति येषां कीर्जितनोः क्वचित्द्धश।।

9. निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए- [1 + 1 = 2]

(i) सावन हरे न भादो सूखे। (ii) कान पर जूँ न रेंगना।

(ii) गले का हार बनना। (iv) हाथ कंगन को आरसी क्या।

10. अपठित गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए-

आजकल दूरदर्शन पर आने वाले धारावाहिक देखने का प्रचलन बढ़ गया है। बाल्यावस्था में यह शौक अच्छा नहीं हैं। दूरदर्शन पर दिखाए जाने वाले धारावाहिक का स्तर बहुत ही घटिया होता हैं। उनमें अश्लीलता, अनास्था, फैशन तथा नैतिक बुराइयाँ ही अधिक देखने को मिलती है। अभी बालक मानसिक रूप से परिपक्व नहीं होते। इस उम्र में भी वे देखेगे उसका प्रभाव निश्चित ही उनके दिमाग पर अंकित हो जाएगा बुरी आदतों को वे शीघ्र ही अपना लेगे। समाजशास्त्रियों के एक वर्ग का मानना है कि समाज में चारो ओर फैली बुराइयों का एक बड़ा कारण दूरदर्शन तथा चलचित्र ही हैं। सब इस बात से भली भाँति परिचित है। इतना सब ज्ञान होने के बाद भी यदि वे इसी राह पर आगे बढ़ते रहे तो उनसे बड़ा मूर्ख

https://www.upboardonline.com

और कोई नहीं है। बिना समय की पाबंदी के घंटों दूरदर्शन के साथ चिपके रहना बिल्कुल गलत है। इससे मानसिक विकास रूक जाता है। दृष्टि में कमजोरी आ सकती है और तनाव बढ़ सकता है।

(i) दूरदर्शन पर दिखाए जाने वाले धारावाहिकों में क्या अधिक देखने को मिलता है? [1]

(ii) दूरदर्शन का दुष्प्रभाव बच्चों पर अधिक क्यों पड़ता हैं? [2]

(iii) दूरदर्शन के व्यसन से क्यों बचना चाहिए? [2]

अथवा

महात्मा गाँधी अपना काम अपने हाथ से करने पर बल देते थे। वे प्रत्येक आश्रमवासी से आशा करते थे कि वह अपना शरीर से सम्बन्धित प्रत्येक कार्य, सफाई तक स्वयं करेगा। उनका कहना था कि जो श्रम नहीं करता है, वह पाप करता है और पाप का अन्न खाता है। ऋषि-मुनियों ने कहा है कि बिना श्रम किए जो भोजन करता है, वह व्यक्ति चोर है। महात्मा गाँधी का समस्त जीवन दर्शन श्रम सापेक्ष था। उनका समस्त अर्थशास्त्र यही बताता था कि प्रत्येक उपभोक्ता को उत्पादनकर्ता होना चाहिए। उनकी नीतियों की अपेक्षा करने के परिणाम हम आज भी भोग रहे है। न गरीबी कम होने में आती है, न बेरोजगारी पर नियंत्रण हो पा रहा है और न अपराधों की वृद्धि हमारे वश की बात हो रही है। दक्षिण कोरिया वासियों ने श्रमदान करके ऐसे श्रेष्ठ भवनों का निर्माण किया है, जिनसे किसी को भी ईर्ष्या हो सकती है।

(i) 'चोर' की परिभाषा क्या है? [1]

(ii) गाँधी जी पापी किसे मानते है? [2]

(iii) महात्मा गाँधी का समस्त जीवन-दर्शन श्रम सापेक्ष था का आशय क्या है? [2]

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों के सही अर्थ को चयन करके लिखिए–

(i) बात-वात [1]

(a) बाते और हवा (b) रोग और हवा (c) वायु और विकार (d) विचार और शिकार

(ii) वहन-बहन [1]

(a) दोनों और शगिनी (b) बहना और बहिनी (c) दोनों और पत्नी (d) बहना और भगिनी

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए– [1]

(a) चपला (b) पयोधर (c) कुल (d) मधु

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक शब्द का चयन करके लिखिए–

(i) भले-बुरे की पहचान करने वाला– [1]

(a) ज्ञनी (b) विद्वान (c) विवेकी (d) पंडित

(ii) जिस देश के साथ विश्वासघात किया हो– [1]

(a) बागी (b) विश्वासघाती (c) देशद्रोही (d) विद्रोही

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए– [1]

(a) राम और श्याम बातचीत कर रहा है। (b) आज सभा में अनेकों नेताओं के भाषण हुए।

(c) अध्यापक कक्षा में पढ़ा रहा है। (d) तुम मेरे से मत बोलो।

12. (क) वीर रस अथवा *शृंगार* रस का स्थायी भाव के साथ परिभाषा सहित उदाहरण लिखिऐ। [2]

(ख) यमक अथवा उपमा अलंकार का लक्षण सहित उदाहरण लिखिए। [2]

(ग) चौपाई अथवा सोरठा छन्द का मात्रा सहित लक्षण तथा उदाहरण लिखिए। [2]

13. अपना कुटीर उद्योग प्रारम्भ करने हेतु किसी बैंक के प्रबन्धक को ऋण प्रदान करने हेतु एक पत्र लिखिए। [2 + 4 = 6]

अथवा

किसी उच्चतर विद्यालय में लिपिक के रिक्त पद पर नियुक्ति हेतु विद्यालय प्रबन्धक को एक आवेदन-पत्र लिखिए।

14. निम्नलिखित विषयों (शीर्षकों) में से किसी एक पर अपनी भाषा शैली में निबन्ध लिखिए– [2 + 7 = 9]

(i) भरत में आतंकवाद समस्या और समाधान। (ii) कृषक-जीवन की त्रासदी।

(iii) साहित्य समाज का दर्पण है। (iv) मेरा प्रिय साहित्यकार।

https://www.upboardonline.com